Dainik Jagaran 23 July, 2004 (Dehradun)

नारी जीवन का अक्स है 'परिवर्तन'

देहरादून: 'धाद' महिला मंच ने बृहस्पतिवार को लेखिका अर्चना पैन्यूली का सम्मान किया। पर्वतीय परिवेश की महिलाओं की जिंदगी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर आधारित श्रीमती पैन्यूली के नवीनतम उपन्यास 'परिवर्तन' के परिप्रेक्ष्य में साहित्यिक क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों ने इस दौरान दृष्टिकोण भी अभिव्यक्त किया।चकराता रोड स्थित आईटीएम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति डा. सुशीला डोभाल ने लेखिका श्रीमती पैन्यूली के रचना कर्म की सराहना करते हुए कहा कि सम-सामयिक परिप्रेक्ष्य पर अपनी पैनी दृष्टि से उन्होंने सिद्ध किया है कि आज भी इस मिट्टी से उनका किस गहराई तक जुड़ाव है। अन्य वक्ताओं में प्रेम वल्लभ बहुगुणा ने भी परिवर्तन को महिलाओं की स्थिति का जीवंत आईना बतायारचनाकार वीणापाणि जोशी, चारूचंद चंदोला व केपी शर्मा आदि ने भी श्रीमती पैन्यूली के रचना कर्म और उनके उपन्यास 'परिवर्तन' के संबंध में विचार रखे। अध्यक्षीय संबोधन में साहित्यकार पद्मश्री लीलाधर जगूड़ी ने श्रीमती पैन्यूली के लेखन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। आयोजन में धाद की ओर से श्रीमती पैन्यूली को सम्मानित किया गया। इस दौरान आईटीएम के निदेशक निशांत थपलियाल व अन्य साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। संचालन जगदीश बावला ने किया।

लेखिका अर्चना पैन्यूली के परिचय समारोह में मंचासीन अतिथिगण। जागरण